खबर संक्षेप

परिणाम और खस्ताहाल कक्षाओं को लेकर छात्रों ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन



शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में व्याप्त अव्यवस्थाओं और लंबित मांगों को लेकर मंगलवार को छात्र शक्ति का रोष फूट पड़ा। छात्र प्रतिनिधि सुहैल आलम की अगुवाई में दर्जनों छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय के नवलपुर परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया और शासन-प्रशासन के खिलाफ हुंकार भरी। प्रदर्शन के उपरांत कुलपति के नाम एक मांग पत्र प्रस्तुत किया गया। छात्रों ने ज्ञापन के माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन का ध्यान कई गंभीर समस्याओं की ओर आकर्षित किया। प्रमुख मांगों में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के रुके हुए परीक्षा परिणाम तत्काल घोषित करना, कृषि (एग्रीकल्चर) संकाय की समस्याओं का समाधान करना तथा पुराने परिसर की जर्जर कक्षाओं की मरम्मत कराकर वहां मूलभूत सुविधाएं बहाल करना शामिल है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे सुहैल आलम ने स्पष्ट कहा कि विद्यार्थी अपनी बुनियादी सुविधाओं और परिणामों के लिए भटकने को मजबूर हैं। यदि प्रशासन ने समय रहते इन ज्वलंत समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं निकाला, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस विरोध प्रदर्शन में अखिल चौधरी, ऋषभ ठाकुर, धनराज पटेल, सचिन यादव, शिवम पटेल, दुवेंद्र श्याम, कार्तिक केशरवानी, अनुराग चौधरी, प्रिंस सेन, आयुष सिंह सेंगर, दुर्गा मिश्रा, पूजा यादव, राधा मिश्रा, पुष्पा केवट, आकृति गौतम सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। छात्रों ने एक स्वर में चेतावनी दी है कि मांगें पूरी होने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलगुरु को सौंपा ज्ञापन

शहडोल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में व्याप्त शैक्षणिक व प्रशासनिक अनियमितताओं के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विद्यार्थियों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने कुलगुरु के नाम एक विस्तृत मांग पत्र प्रस्तुत कर तत्काल निराकरण की गुहार लगाई है।विद्यार्थी परिषद ने ज्ञापन के माध्यम से ध्यान दिलाया कि प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं समाप्त हुए तीन माह बीत चुके हैं, किंतु अब तक परीक्षा परिणाम घोषित नहीं किए गए हैं।इसके अतिरिक्त वर्ष 2024 की अंकसूची (अंकपत्र) भी विद्यार्थियों को अब तक उपलब्ध नहीं कराई गई है। विश्वविद्यालय में दस हजार से अधिक अध्ययनरत विद्यार्थियों से बस शुल्क वसूलने के बाद भी वाहनों की संख्या पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थी परिषद ने मांग रखी कि रुके हुए परीक्षा परिणाम एवं अंकपत्र तत्काल जारी किए जाएं। परिसर में नियमित कक्षाएं संचालित हों और प्राध्यापकों की समय-सारणी दूरभाष क्रमांक सहित चस्पा की जाए। विद्यार्थियों के लिए बस सेवा, खेल मैदान, चिकित्सीय सुविधा एवं रुग्णाहन (एम्बुलेंस) की व्यवस्था की जाए। पुराने छात्रावास का पुनरुद्धार तथा जर्जर सडक़ों की त्वरित मरम्मत कराई जाए। नए एवं पुराने दोनों परिसरों में शीतल पेयजल, स्वच्छ शौचालय, संगणक (कंप्यूटर) प्रयोगशाला, निःशुल्क अंतरजाल (वाई-फाई) तथा सुरक्षा हेतु गुप्त कैमरों (सीसीटीवी) की सुविधा उपलब्ध हो। नवीन विद्यार्थियों को तत्काल पहचान पत्र प्रदान किए जाएं तथा पुरानी शाला में जलपान गृह (कैंटीन) प्रारंभ किया जाए। संगठन पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि विश्वविद्यालय प्रशासन ने मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कदम नहीं उठाए, तो अभाविप आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

छतई में 300 गरीब परिवारों के दो महीने के राशन पर डाका

अंगूठा लगवाया पर नहीं दिया अनाज!



अनपढ़ आदिवासियों से गल्ला पर्ची पर गलत तरीके से लगवाए अंगूठे मामले की भनक लगते ही समिति ने विक्रेता मोहम्मद अमीन को किया निलंबित, जैनुल को सौंपा नया प्रभार

शहडोल। सरकार भले ही समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े निर्धन और असहाय परिवारों के पेट की आग बुझाने के लिए हर महीने करोड़ों रुपये का मुफ्त खाद्यान्न आवंटित कर रही हो, लेकिन व्यवस्था के जिम्मेदार ही जब गरीबों की थाली का निवाला छीनने पर आमादा हो जाएं तो दावों की पोल खुलना तय है। जिले के आदिवासी अंचल बुढ़ार से खाद्यान्न वितरण व्यवस्था में एक ऐसी ही बड़ी सेंधमारी और गड़बड़ी का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां करीब 300 बेबस आदिवासी परिवारों का दो महीने का राशन डकार लिया गया। मामला जनपद पंचायत बुढ़ार की ग्राम पंचायत छतई स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान का है, जो सेवा सहकारी समिति (लैम्प्स) झींकबिजुरी के अधीन संचालित होती है। इस पूरे फर्जीवाड़े और राशन में डाकेबाजी का वीडियो भी अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे प्रशासनिक गलियारों में हडक़ंप मच गया है।

गल्ला पर्ची पर अंगूठा लगवाया

ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि दुकान के तत्कालिक विक्रेता मोहम्मद अमीन ने क्षेत्र के अशिक्षित और सीधे-साधे आदिवासियों की मजबूरी तथा तकनीकी व्यवस्था (ऑफलाइन वितरण) का जमकर फायदा उठाया। विक्रेता ने गल्ला पर्ची पर सभी हितग्राहियों से चालाकी से अंगूठे के निशान तो लगवा लिए, लेकिन जब राशन देने की बारी आई तो टालमटोल कर उन्हें खाली हाथ वापस लौटा दिया। इस तरह एक-एक कर दो महीनों का गल्ला (खाद्यान्न) कागजों पर बांटकर खुद आहरित कर लिया गया। जब गरीब आदिवासियों के घरों में अनाज का दाना नहीं बचा और दो वक्त की रोटी के लालें पडऩे लगे, तब जाकर ग्रामीणों ने हिम्मत जुटाई।

सरपंच संग अधिकारियों के पास पहुंचे पीड़ित

दो महीने तक राशन न मिलने से परेशान ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत सरपंच के साथ मिलकर खाद्य एवं



नागरिक आपूर्ति विभाग और संबंधित अधिकारियों के समक्ष लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही जब विभागीय स्तर पर प्रारंभिक पड़ताल और छानबीन शुरू की गई, तो परत-दर-परत सच्चाई सामने आ गई। जांच में प्राथमिक रूप से यह बात उजागर हुई कि तत्कालीन विक्रेता मोहम्मद अमीन ने वास्तव में हितग्राहियों के हिस्से का खाद्यान्न







निकालकर भारी अनियमितता की है। मामले में सेवा सहकारी समिति झींकबिजुरी के प्रबंधक राजीव उपाध्याय और प्रशासक ने त्वरित कदम उठाते हुए आरोपी विक्रेता मोहम्मद अमीन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। वहीं, दुकान का प्रभार सुचारू रूप से चलाने के लिए नए विक्रेता मो. जैनुल को सौंप दिया गया है। समिति प्रबंधक के अनुसार सरपंच व ग्रामीणों की शिकायत पर जांच कराई गई थी, जिसमें विक्रेता की लापरवाही और गलती सिद्ध होने पर उसे सस्पेंड कर उच्च अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है। राशन का उठाव विलंब से होने के कारण थोड़ी देरी हुई थी, लेकिन अब जल्द ही राशन वितरण पूर्ण करा लिया जाएगा।

खाद्य विभाग की टीम गांव में जमाए डेरा

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जिला आपूर्ति नियंत्रक के निर्देश पर खाद्य विभाग की विशेष टीम सक्रिय हो गई है। सहायक आपूर्ति अधिकारी बुढ़ार स्वयं छतई गांव पहुंचे हैं और सीधे प्रभावित हितग्राहियों व आदिवासियों के घर-घर जाकर उनके बयान दर्ज कर रहे हैं। जांच टीम दुकान के भौतिक स्टॉक (भंडारण) और वितरण पंजी का मिलान कर साक्ष्य जुटा रही है। जिला प्रशासन ने साफ लहजे में चेतावनी दी है कि जांच रिपोर्ट पूरी आते ही दोषी पाए गए विक्रेता के खिलाफ वैधानिक धाराओं के तहत आपराधिक प्रकरण (एफआईआर) दर्ज कराया जाएगा, ताकि भविष्य में कोई गरीबों के हक के राशन पर डाका डालने की हिम्मत न कर सके।

कार्रवाई के बाद भी पेट की भूख का समाधान नहीं

भले ही शासकीय कागजों में विक्रेता को निलंबित कर दिया गया हो और नए विक्रेता को प्रभार देकर अक्टूबर माह का राशन बांटने का दावा किया जा रहा हो, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि पीड़ित 300 परिवार आज भी अपने बकाए दो महीने के राशन के लिए भटक रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो ने पूरे जिले की राशन वितरण प्रणाली की पोल खोलकर रख दी है। पीड़ित आदिवासियों ने शासन-प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि जांच और कागजी निलंबन के साथ-साथ उन्हें उनके हक का बकाया खाद्यान्न तुरंत वितरित कराया जाए।

जयसिंह नगर पुलिस की नशे के सौदागरों पर सर्जिकल स्ट्राइक



1.13 करोड़ के गांजे के साथ ट्रक जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

शहडोल। जिले में नशे के अवैध कारोबार और मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी और निर्णायक कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के कड़े निर्देशों के पालन में जयसिंहनगर थाना पुलिस ने गश्त के दौरान एक संदिग्ध ट्रक से 735 किलो 440 ग्राम अवैध गांजा बरामद करने में सफलता हासिल की है। जब्त किए गए गांजे और वाहन समेत कुल सामग्री की अनुमानित कीमत 1 करोड़ 13 लाख 55 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने मौके से दो शातिर तस्करों को भी गिरफ्तार किया है।

गश्त के दौरान हत्थे चढ़े अंतरराज्यीय तस्कर

नवरात्रि पर्व के मद्देनजर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना जयसिंहनगर पुलिस द्वारा रात्रि एवं प्रभात गश्त की जा रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध ट्रक की गतिविधि देखकर पुलिस टीम ने उसे रुकवाया। ट्रक चालकों से जब पूछताछ की गई, तो उनकी हड़बड़ाहट और संदिग्ध जवाबों से पुलिस का संदेह गहरा गया। तत्काल वाहन की विधिवत तलाशी ली गई, तो पुलिस कर्मी भी हैरान रह गए। ट्रक के भीतर बड़ी ही चालाकी से छिपाकर रखी गई 18 बोरियों और 81 पैकेटों में भरा कुल 735.440 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ।

यूपी और झारखंड के रहने वाले हैं आरोपी

पुलिस ने मौके पर ही कार्रवाई करते हुए ट्रक चालक और खलासी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में राहुल विश्वकर्मा उम्र 36 वर्ष निवासी- ग्राम जमीनबारी,



थाना निजामाबाद, जिला आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश), नारायण मंडल उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम अलगडीहा, थाना बगोदर, जिला गिरिडीह (झारखंड), दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना जयसिंहनगर में धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अब इस बात की पड़ताल में जुटी है कि गांजे की यह विशाल खेप कहां से लाई जा रही थी और इसे किस-किस को सप्लाई किया जाना था। जब्त हुए 735.440 किग्रा गांजा की अनुमानित 73 लाख 50 हजार आंकी गई है, वहीं परिवहन में प्रयुक्त ट्रक 40 लाख, 3 नग मोबाइल कुल 01 करोड़ 13 लाख 55 हजार रुपये का मशरूका जब्त किया गया है।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

ब्यौहारी एसडीओपी ऋषभ चारी के कुशल मार्गदर्शन में की गई इस बड़ी कार्रवाई में निरीक्षक अजय बैगा, सहायक उप निरीक्षक प्रमोद कुमार, सुरेश सिंह, प्रधान आरक्षक आदित्य शुक्ला, रुस्तम सिंह, आरक्षक ऋषिकांत मिश्रा, नीरज शुक्ला, धीरशाह बैगा, महिला आरक्षक खुशबू लोधी तथा साइबर सेल की टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। एसपी डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने पूरी टीम के इस उत्कृष्ट कार्य की सराहना की है और स्पष्ट संदेश दिया है कि जिले में अवैध नशे का कारोबार करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

घर के अंदर मां-बेटी की सनसनीखेज हत्या का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नवागांव में हुए दोहरे हत्याकांड ने पूरे इलाके को दहलाकर रख दिया है। घर के अंदर मां और बेटी के संदिग्ध परिस्थितियों में मिले शवों के मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के सख्त निर्देशन और गहन विवेचना के बाद पुलिस ने इस जघन्य दोहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपी को धर दबोचा है।बीते 8 अक्टूबर 2026 को ग्राम नवागांव स्थित एक मकान के बंद कमरे के भीतर श्रीमती रुचि रजक उम्र 22 वर्ष और उनकी मां श्रीमती सावित्री रजक उम्र 40 वर्ष के शव संदिग्ध अवस्था में बरामद हुए थे। इस खौफनाक सूचना मिलते ही गोहपारू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस द्वारा की गई मर्ग जांच, परिजनों के बयान, घटनास्थल के सूक्ष्म निरीक्षण और मेडिकल एक्सपर्ट्स की शॉर्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अवलोकन से जो तथ्य सामने आए, उसने सभी के रोंगटे खड़े कर दिए। रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि दोनों महिलाओं की मौत किसी सामान्य कारणों से नहीं, बल्कि उनके सिर पर किसी भारी और घातक वस्तु से गंभीर प्रहार करने के कारण अत्यधिक रक्तस्राव होने से हुई थी। मामले की



गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने फौरन खुलासे और आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी के लिए विशेष निर्देश दिए थे। तकनीकी साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर पुलिस का शक प्रवीण उर्फ दिनेश रजक पर गहराया। इसके बाद पुलिस ने संदेही के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत हत्या का अपराध पंजीबद्ध कर लिया। गोहपारू पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले के आरोपी प्रवीण उर्फ दिनेश रजक उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम नवाटोला को दबोच लिया। पूछताछ के बाद आरोपी को स्थानीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस इस बात की भी गहराई से पड़ताल कर रही है कि इस खौफनाक दोहरे हत्याकांड के पीछे की असली वजह क्या थी। इस अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने और आरोपी को सलाखों के पीछे पहुंचाने में थाना प्रभारी गोहपारू निरीक्षक जे.पी. शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में प्रधान आरक्षक दिनेश प्रसाद केवट, प्रधान आरक्षक नरेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक विजय कुमार महरा, प्रधान आरक्षक रुद्र प्रताप, आरक्षक मोनू शर्मा और आरक्षक राजकुमार रघुवंशी की भूमिका रही।

गरबा पंडालों में शालीन वेशभूषा और सुरक्षा व्यवस्था की मांग

राष्ट्रीय बजरंग दल ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

शहडोल। नवरात्रि एवं दीपावली पर्व के दृष्टिगत धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक मर्यादा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल ने पुलिस प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। संगठन के पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपकर गरबा पंडालों में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने, पहचान पत्र की जांच सुनिश्चित करने तथा देवी-देवताओं के चित्र वाले आतिशबाजी उत्पादों के विक्रय पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि नवरात्रि के दौरान आयोजित गरबा एवं दुर्गा पूजा कार्यक्रम सनातन समाज की धार्मिक आस्था के केंद्र हैं।

अतः सभी आयोजकों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं कि वे आयोजन स्थल की गरिमा के अनुरूप शालीन वेशभूषा संबंधी नियमों का सख्ती से पालन कराएं। इसके साथ ही पंडालों में प्रवेश पत्र की व्यवस्था, पहचान सत्यापन, सीसीटीवी कैमरों से निगरानी और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएं, ताकि किसी भी प्रकार की अनुचित या अवांछित गतिविधि को रोका जा सके। राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष आकाशदीप साहू ने मांग रखी है कि गरबा और पूजा स्थल पूरी तरह से उपासना एवं धार्मिक परंपराओं से जुड़े हुए हैं। अतः धार्मिक आयोजनों की पवित्रता बनाए रखने के लिए गैर-हिंदुओं का प्रवेश वर्जित किया जाना चाहिए। आयोजकों एवं पुलिस प्रशासन द्वारा विधिक प्रावधानों के अनुरूप आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया जाए ताकि आयोजनों की सुरक्षा और मर्यादा सुनिश्चित की जा सके। दीपावली उत्सव को ध्यान में रखते हुए संगठन ने बाजारों में बिकने वाले उन आतिशबाजी उत्पादों का कड़ा विरोध किया है, जिन पर हिंदू देवी-देवताओं के चित्र या धार्मिक प्रतीक अंकित होते हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि पटाखों के जलने के बाद उनके अवशेष सार्वजनिक स्थानों पर बिखरे रहते हैं, जिससे श्रद्धालुओं की



भावनाएं आहत होती हैं और सामाजिक तनाव की आशंका बनी रहती है। अतः प्रशासन दीपावली से पूर्व आतिशबाजी की दुकानों का निरीक्षण करे और ऐसे उत्पादों के निर्माण, क्रय-विक्रय पर नियम अनुसार वैधानिक कार्रवाई कर प्रतिबंध लगाए। जिले के समस्त गरबा एवं नवरात्रि आयोजनों के लिए मर्यादा, शालीन वेशभूषा और अनुशासन संबंधी दिशा-निर्देश जारी हों। गरबा पंडालों में प्रवेश हेतु पहचान पत्र सत्यापन और प्रशासनिक दिशा-निर्देश लागू किए जाएं। धार्मिक प्रतीकों एवं देवी-देवताओं के चित्र वाले पटाखों की बिक्री रोकने हेतु जांच कराई जाए। त्योहारों के दौरान शांति, सामाजिक सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी थाना प्रभारियों को सतर्क किया जाए। ज्ञापन सौंपते समय राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष आकाशदीप साहू सहित संगठन के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वास जताया कि पुलिस प्रशासन जनभावनाओं का सम्मान करते हुए शीघ्र उचित कदम उठाएगा।

पार्सल विवाद में मारपीट और तोड़फोड़ के 4 और आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले के सोहागपुर थाना अंतर्गत न्यू बस स्टैंड बलपुरवा क्षेत्र स्थित यम्मी स्पाइसी होटल में हुई हिंसा और तोडफोड़ के मामले में पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। होटल में मामूली बात पर आतंक मचाने और युवकों के साथ बेरहमी से मारपीट करने वाले 4 और फरार आरोपियों को सोहागपुर पुलिस ने धर दबोचा है। इस बहुचर्चित मामले में पुलिस अब तक कुल 7 आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज चुकी है। बीते 26 जुलाई 2026 को विवेक नगर निवासी फरियादी आकाश पाठक अपने दोस्तों के साथ सोहागपुर स्थित यम्मी स्पाइसी होटल में खाना पैक करवाने (पार्सल) गया था। इसी दौरान कुछ दबंग किस्म के लोगों से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि आरोपियों ने फरियादी और उसके साथियों पर हमला बोल दिया। बीच-बचाव करने आए परिजनों को भी नहीं बख्शा गया और उनके साथ भी जमकर मारपीट की गई। यही नहीं, आरोपियों ने आक्रोश में आकर फरियादी की खड़ी कार के कांच पत्थरों से तोडकर चकनाचूर कर दिए थे और मौके पर दहशत फैलाकर फरार हो गए थे। पूर्व में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 3 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था और अब इस कड़ी में 4 और आरोपियों को दबोच लिया गया है।सोहागपुर पुलिस द्वारा की गई दबिश में लाला उर्फ मुराद खान पिता उमर खान, उम्र 42 वर्ष निवासी- पाली रोड, पीली बिल्डिंग, सोहागपुर, विक्की उर्फ मोहिब खान पिता मुहीम खान, उम्र 36 वर्ष निवासी चंदनिया, चौकी घुनघुटी, जिला उमरिया, मोहम्मद यासीन खान पिता मोहम्मद मोईन खान, उम्र 33 वर्ष निवासी छोटी मस्जिद के पास, सोहागपुर, रजनी खान उर्फ सिराजुल्ला खान उम्र 40 वर्ष निवासी सोहागपुर के विरूद्ध पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ विधिवत कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान 16 अक्टूबर को कोतमा नगरपालिका में लगेगा शिविर



अनूपपुर। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत 16 अक्टूबर को नगरपालिका कोतमा में शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों का निराकरण करेंगे। शिविर में सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई तथा लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत लंबित प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही क्षेत्र के शासकीय कार्यालयों, स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों, स्वास्थ्य केंद्रों, राशन दुकानों एवं अन्य संस्थाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार के लिए कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर रत्नाकर झा के निर्देशानुसार शिविर के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोतमा टीआर नाग को नोडल अधिकारी तथा मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) कोतमा को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से शिविर में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं एवं शिकायतें प्रस्तुत करने तथा अभियान का लाभ लेने की अपील की है।

जनसुनवाई में सुनी गई 62 आवेदकों की समस्याएं

उमरिया। साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज ने 62 आवेदकों की समस्याओं को सुना तथा आवेदनों के निराकरण के लिए संबंधित विभाग की ओर प्रेषित कर विभागीय अधिकारियों को समुचित कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभागार में संगीता महोबिया बांधवगढ ने पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने, मिठाई लाल पाल पिटौर ने जमीन से अवैध कब्जा दिलाने, रेखा चौधरी खलेसर ने झुग्गी झोपडी का पटटा दिलाने, सुनीता वंशकार पाली ने पुत्र के इलाज हेतु आर्थिक सहायता दिलाने, पंचम महार बुढिय़ा ने मजदूरी का भुगतान कराने, सुभद्रा बाई निवासी जोगिया ने संबल योजना के तहत अनुग्रह सहायता का लाभ दिलाने, तुलसा बाई रैदास ग्राम जोगिया ने पति पुरूषोत्तम की मौत सर्पदंश से होने पर आर्थिक सहायता प्रदान कराने, संतोष कुमार महोबिया सेवानिवृत्त उप वन क्षेत्रपाल परिक्षेत्र सहायक करकेली ने सेवानिवृत्त उपरांत स्वत्वो का भुगतान कराने संबंधी आवदेन दिया।

पाली नपा की अदूरदर्शिता से मंडराया गंभीर जल संकट

जिम्मेदार तमाशबीन, सड़कों पर बह रहा अमृत







उमरिया। एक तरफ देश और प्रदेश की सरकारें जल संरक्षण के लिए बड़े-बड़े दावे कर रही हैं, जल ही जीवन है के नारे गूंज रहे हैं और पानी की हर एक बूंद को सहेजने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर जिले के पाली नगर पालिका परिषद के नकारेपन और अदूरदर्शिता के कारण हजारों गैलन शुद्ध पेयजल यूं ही सडक़ों पर बहकर गंजरा नाला में समा रहा है। जिम्मेदारों की इस आपराधिक लापरवाही से साफ है कि आने वाले दिनों में पाली के नगरवासियों को गंभीर जल संकट और भीषण पेयजल किल्लत का सामना करना पड़ सकता है।

तमाशबीन बनी है नगर पालिका

नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 5 का यह नजारा किसी का भी दिल चीरने के लिए काफी है। यहां पाइपलाइन में आई किसी तकनीकी खामी या फिर वाल्व की लापरवाही के चलते रोजाना सैकड़ों गैलन पीने का पानी बेरोक-टोक सडक़ों पर बह रहा है। पानी की यह बर्बादी देखकर ऐसा लगता है कि मानों नगर पालिका के अधिकारियों ने जल संरक्षण के सभी पाठ भूल लिए हैं। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि वे कई बार जिम्मेदार अमले को इस गंभीर समस्या से अवगत करा चुके हैं, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात ही रहा है। अधिकारी और कर्मचारी इस बर्बादी को तमाशबीन बनकर बस देख रहे हैं, मानो उन्हें जनता की प्यास से कोई सरोकार ही न हो।

सीएमओ साहब को आमजन की परवाह नहीं

हम अपने हिसाब से काम करते हैं, जवाब देना जरूरी नहीं!

जब इस ज्वलंत और संवेदनशील मुद्दे पर मीडिया ने पाली नगर पालिका के प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी शिवप्रसाद धुर्वे से संपर्क किया और उनका पक्ष जानना चाहा, तो उनका रवैया बेहद गैर-जिम्मेदाराना और तानाशाही भरा नजर आया। जनाब कैमरे के सामने आने से तो ऐसे भागे जैसे कोई गुनाह छुपा रहे हों। जब उनसे पानी की इस बर्बादी और जनता की परेशानियों पर सवाल किया गया, तो उन्होंने बड़े ही हनक भरे अंदाज में मौखिक तौर पर पल्ला झाड़ते हुए कहा सभी काम हम अपने हिसाब से कराते हैं, इसमें आपको जवाब देना हम उचित नहीं समझते। इतना कहने के बाद सीएमओ साहब अपनी गाड़ी में सवार हुए और शान से वहां से रफूचक्कर हो गए। उनका यह अहंकारी रवैया इस बात का खुला प्रमाण है कि उन्हें न तो शासन के नियमों की परवाह है और न ही उन टैक्स देने वाले आम जनता की, जिनके कंधों पर बैठकर वे अपनी कुर्सी की शान हांक रहे हैं।

यह सुध लेंगी मुखिया

पाली के आम नागरिकों का सवाल है कि यदि इसी तरह पानी बहाया जाता रहा और अधिकारियों की ऐसी ही मनमानी चलती रही, तो आने वाली गर्मियों में लोग बूंद-बूंद पानी के लिए मोहताज हो जाएंगे। सवाल यह भी उठता है कि क्या ऐसे लापरवाह और तानाशाह अधिकारियों पर लगाम कसने वाला कोई उच्च अधिकारी नहीं है? क्या कलेक्टर इस गंभीर मामले का संज्ञान लेकर सीएमओ की इस कार्यशैली की जांच करेंगी और पानी की बर्बादी को रोकेंगी? फिलहाल, पाली के वार्डवासियों का गुस्सा सातवें आसमान पर है और यदि जल्द ही इस लीकेज को ठीक नहीं किया गया, तो जनता का यह आक्रोश नगर पालिका कार्यालय के बाहर बड़े आंदोलन के रूप में फूट सकता है।

मां बिरासिनी के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब

भक्ति और सुरक्षा का संगम







उमरिया। प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां बिरासिनी देवी मंदिर में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत वातावरण देखने को मिल रहा है। नवरात्रि के पावन पर्व पर दूर-दूर से आ रहे श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के मां भगवती की आराधना में लीन हैं।

मां बिरासिनी को लगा 56 भोग

नवरात्रि की तृतीया तिथि पर मंदिर प्रांगण में अलौकिक दृश्य देखने को मिला, जब मां बिरासिनी सेवा समिति के तत्वावधान में माताराणी को 56 भोग का भव्य प्रसाद अर्पित किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में सैकड़ों श्रद्धालुओं के साथ-साथ ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने भी सहभागिता की और पुण्य लाभ कमाया। मंदिर परिसर श्रद्धालुओं के जयकारों और हवन-पूजन की सुगंध से गुंजायमान है।

चाक-चौबंद सुरक्षा से गदगद हुए श्रद्धालु

पाली अनुभाग के नवागत पुलिस अनुविभागीय अधिकारी ललित गढरे के कुशल मार्गदर्शन में क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालुओं ने पुलिस प्रशासन की इस मुस्तैद व्यवस्था की दिल खोलकर सराहना की। श्रद्धालुओं का कहना है कि सुगम दर्शन और बेहतर यातायात प्रबंधन के कारण उन्हें किसी भी प्रकार की अव्यवस्था का सामना नहीं करना पड़ रहा है। शांतिपूर्ण और अनुशासित वातावरण में चल रहे इस महानवमी महोत्सव ने यह साबित कर दिया है कि जब आस्था को सुरक्षा का संबल मिलता है, तो पर्व का उत्साह दोगुना हो जाता है।

इनका कहना है...

आमजन और श्रद्धालुओं की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। मुख्य चौराहों, तिराहों और मंदिर परिसर में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों से चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है।

ललित गढ़रे
एसडीओपी बिरसिंहपुर पाली

मानपुर के नामदेव मोहल्ले में छठवें वर्ष विराजमान हुईं माँ कालिका

श्रद्धा और भक्ति से भक्तिमय हुआ माहौल

मानपुर। नगर के नामदेव मोहल्ले में धार्मिक आस्था और भक्ति की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी माँ कालिका की प्रतिमा विधि-विधान के साथ विराजमान की गई है। जय माँ वैष्णवी दुर्गा उत्सव समिति के तत्वावधान में लगातार छठवें वर्ष माँ की प्रतिमा स्थापित की गई है। प्रतिमा स्थापना के साथ ही क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण देखने को मिल रहा है। समिति द्वारा पिछले छह वर्षों से निरंतर माँ की प्रतिमा स्थापित कर धार्मिक परंपरा को कायम रखा जा रहा है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्रद्धालुओं में माँ कालिका के प्रति विशेष श्रद्धा और उत्साह देखने को मिल रहा है। माँ की प्रतिमा के दर्शन कर भक्त पूजा-अर्चना कर रहे हैं और अपने परिवार सहित नगर की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं मंगलमय जीवन की कामना कर रहे हैं।

छह वर्षों से कायम है आस्था की परंपरा

नामदेव मोहल्ले में लगातार छह वर्षों से माँ कालिका की प्रतिमा स्थापित किया जाना क्षेत्र की धार्मिक आस्था और परंपरा का प्रतीक है। जय माँ वैष्णवी दुर्गा उत्सव समिति द्वारा प्रतिवर्ष इस परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। धार्मिक आयोजन के माध्यम से श्रद्धालुओं को माँ की आराधना का अवसर मिलता है और क्षेत्र में भक्ति एवं सकारात्मकता का वातावरण निर्मित होता है।



माँ के जयकारों से गूंज रहा नगर

माँ कालिका की प्रतिमा विराजमान होने के बाद श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। भक्त माँ के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की आस्था है कि माँ का आशीर्वाद सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए। माँ के प्रति श्रद्धा और विश्वास के साथ यह धार्मिक परंपरा मानपुर नगर की सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूती प्रदान कर रही है। जय माँ वैष्णवी दुर्गा उत्सव समिति द्वारा लगातार छठवें वर्ष प्रतिमा स्थापना के माध्यम से निभाई जा रही यह परंपरा क्षेत्र में धार्मिक आस्था की निरंतरता को दर्शाती है। माँ कालिका से सभी श्रद्धालुओं के सुखमय जीवन और नगर की उन्नति की कामना की जा रही है।

अमरकंटक की प्राकृतिक छटा और आध्यात्मिक वैभव से रूबरू हुए नवोदय विद्यालय मऊ के विद्यार्थी

कक्षा नौवीं के 70 छात्र-छात्राओं ने किया धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण

अमरकंटक। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थस्थल तथा पर्यटन केंद्र पवित्र नगरी अमरकंटक की प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक विरासत से परिचित होने के उद्देश्य से पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, मऊ, जिला शहडोल के कक्षा नौवीं के 70 छात्र-छात्राओं ने शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने अमरकंटक के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों का अवलोकन कर यहां की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक विशेषताओं को करीब से जाना। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं ने सोनमूड़ा, माई की बगिया, कपिलधारा, दूधधारा, कबीर चबूतरा, जलेश्वर मंदिर, जैन मंदिर, मां नर्मदा मंदिर, श्री यंत्र मंदिर सहित अन्य प्राचीन मंदिरों एवं दर्शनीय स्थलों का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने इन स्थलों की धार्मिक मान्यताओं, ऐतिहासिक महत्त्व और उनसे जुड़ी विशेषताओं के विषय में जानकारी प्राप्त की। मां नर्मदा की



उद्गमस्थली अमरकंटक की पावन धरती पर विद्यार्थियों को प्रकृति और अध्यात्म के अद्भुत संगम का अनुभव हुआ। चारों ओर फैली हरियाली, पर्वतीय भूभाग, झरनों की कलकल ध्वनि और शांत वातावरण ने बच्चों को विशेष रूप से आकर्षित किया। यहां के सुहावने मौसम और प्राकृतिक सौंदर्य से विद्यार्थी अभिभूत नजर आए। भ्रमण के दौरान उन्होंने उत्साहपूर्वक विभिन्न स्थलों का अवलोकन किया और अमरकंटक की विशेषताओं को समझने में गहरी रुचि दिखाई। भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं ने अपने शिक्षकों से अमरकंटक के धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक महत्त्व से संबंधित अनेक जिज्ञासापूर्ण प्रश्न पूछे। शिक्षकों ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का सहजता एवं सरलता से समाधान करते हुए विभिन्न स्थलों की विशेषताओं और उनसे जुड़ी जानकारियों से अवगत कराया। इस शैक्षणिक यात्रा ने विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़कर प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से सीखने का अवसर प्रदान किया। धार्मिक आस्था, प्राचीन धरोहरों और प्रकृति के निकट पहुंचकर बच्चों ने अमरकंटक की विशिष्ट पहचान को समझा। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के चेहरों पर उत्साह और प्रसन्नता दिखाई दी। इस शैक्षणिक भ्रमण में विद्यालय के शिक्षक आशुतोष सिंह तिवारी, पीजीटी गणित; नृपेंद्र सिंह बघेल, लाइब्रेरियन; पर्चिया मिश्रा, टीजीटी अंग्रेजी; सुजीत मंडल, टीजीटी बांग्ला तथा मधु श्रीवास्तव, काउंसलर छात्र-छात्राओं के साथ उपस्थित रहे। शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने अमरकंटक के प्रमुख स्थलों का भ्रमण कर ज्ञानवर्धक अनुभव प्राप्त किया। यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए ज्ञान, प्रकृति और आध्यात्मिक चेतना से जुड़ने का एक यादगार अवसर बना। मां नर्मदा की पावन उद्गमस्थली अमरकंटक की नैसर्गिक छटा और धार्मिक विरासत की स्मृतियां लेकर विद्यार्थी प्रसन्नता के साथ लौटे।

कोतमा में नवरात्रि की धूम, मां दुर्गा के जयकारों से भक्तिमय हुआ नगर

मां शैलपुत्री भक्ति मंडल बस स्टैंड में विराजीं मां दुर्गा



कोतमा। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर कोतमा नगर पूरी तरह भक्तिमय माहौल में रंगा नजर आ रहा है। नगर के विभिन्न वार्डों और प्रमुख स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। आकर्षक साज-सज्जा, रोशनी और भक्ति गीतों के बीच श्रद्धालु मां दुर्गा के दर्शन एवं पूजन-अर्चन के लिए पहुंच रहे हैं। चारों ओर जय माता दी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। नगर के बस स्टैंड स्थित मां शैलपुत्री भक्ति मंडल में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जा रही है। यहां श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। भक्ति मंडल के सदस्य नवरात्रि पर्व को लेकर धार्मिक आयोजनों में जुटे हुए हैं। मां के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का पहुंचना जारी है। इसी तरह बैरियल सहित कोतमा के अनेक स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं विराजमान हैं। विभिन्न दुर्गा उत्सव समितियों द्वारा पंडालों को आकर्षक रूप से सजाया गया है। शाम होते ही रंग-बिरंगी रोशनी से पंडालों की सुंदरता देखते ही बनती है। श्रद्धालु परिवार सहित पहुंचकर मां दुर्गा की आराधना कर रहे हैं और सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। नवरात्रि का पर्व भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक है। इन नौ दिनों में श्रद्धालु मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना करते हैं। नगर के विभिन्न पंडालों में धार्मिक वातावरण के बीच श्रद्धालु अपनी श्रद्धा व्यक्त कर रहे हैं। दुर्गा उत्सव समितियों के आयोजन से नगर में उत्साह का माहौल बना हुआ है। नगर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाएं श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। समितियों द्वारा पूजा-पाठ एवं अन्य धार्मिक गतिविधियों की तैयारियां की जा रही हैं। नवरात्रि के अवसर पर पूरा नगर माता रानी की भक्ति में लीन नजर आ रहा है। मां दुर्गा से यही प्रार्थना है कि कोतमा नगर सहित पूरे क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनी रहे।

नशा मुक्त युवा अभियान पर आयोजित किया संवाद कार्यक्रम



उमरिया। माय भारत केंद्र उमरिया, सेवा पखवाड़ा अंतर्गत विभिन्न तरह की सेवा गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में जवाहर नवोदय विद्यालय सिंगल यूज़ प्लास्टिक से मुक्त भारत के निर्माण तथा विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा अभियान पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों के साथ मिलकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सिंगल-यूज़-प्लास्टिक के उन्मूलन को लेकर चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों तथा विभिन्न नीतिगत प्रयासों की चर्चा की गई। फिर नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत के विजन को सामने रखा गया और उसमें युवाओं की अहम भूमिका के बारे में बताया गया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया गया वे आपस में इन विषयों पर चर्चा करें और अपने विचार सबसे सामने रखें.

राजनगर में सजा मां जगदंबा का भव्य दरबार

आकर्षक झांकियां बनीं श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र

राजनगर। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर नगर परिषद डोला क्षेत्र के रामनगर में मां जगदंबा का भव्य दरबार सजकर तैयार हो गया है। आरटीओ चेकपोस्ट के समीप मुख्य मार्ग पर स्थित दुर्गा पंडाल में आकर्षक साज-सज्जा, मनमोहक झांकियों और विशेष प्रकाश व्यवस्था के बीच मां जगदंबा विराजमान हैं। मां के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। नव युवा दुर्गा पूजा समिति द्वारा आयोजित इस धार्मिक आयोजन से रामनगर सहित आसपास के क्षेत्रों में नवरात्र की रौनक बढ़ गई है। पंडाल को आकर्षक स्वरूप देने के लिए समिति के सदस्यों ने करीब 15 दिन पहले से तैयारियां शुरू कर दी थीं। नवरात्र के प्रथम दिन मां जगदंबा की स्थापना के अवसर पर ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा दुर्गा पंडाल से प्रारंभ होकर रामजानकी मंदिर



पहुंची, जहां जल भरने के बाद श्रद्धालु नगर भ्रमण करते हुए खेरदाई ग्राम देवता मंदिर पहुंचे। इसके बाद यात्रा वापस दुर्गा पंडाल पहुंचकर संपन्न हुई। धार्मिक विधि-विधान के साथ आयोजित इस यात्रा में श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से सहभागिता की। कलश यात्रा के साथ ही रामनगर में नवरात्र उत्सव का उल्लास दिखाई देने लगा। रामनगर में आरटीओ चेकपोस्ट के समीप पिछले पांच वर्षों से लगातार मां जगदंबा की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। समय के साथ यह दुर्गा पंडाल क्षेत्र के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बन गया है। रामनगर, डोला, राजनगर, बिजुरी और मनेंद्रगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालु मां के दर्शन करने पहुंचते हैं और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। डोला नगर परिषद क्षेत्र में नवरात्र के दौरान लगभग आठ से दस स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं। इससे पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्सव का माहौल रहता है। रामनगर का दुर्गा पंडाल अपनी सजावट और धार्मिक आयोजनों के कारण विशेष पहचान बना चुका है। इस वर्ष मां जगदंबा के दरबार को आकर्षक रूप देने के लिए पंडाल की साज-सज्जा और विशेष प्रकाश व्यवस्था की गई है। झांकियां श्रद्धालुओं के लिए खास आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। मां के दरबार को भव्य स्वरूप देने और आयोजन की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में नव युवा दुर्गा पूजा समिति के सदस्य सक्रिय रहे। समिति के भूरालाल कैवर्त सहित अन्य सदस्यों ने तैयारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समिति के सदस्यों के अनुसार, नवरात्र के दौरान प्रतिदिन मां जगदंबा को भोग अर्पित किया जाएगा और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। वरिष्ठजनों और युवाओं के सामूहिक सहयोग से आयोजन को व्यवस्थित स्वरूप दिया गया है। मां के दर्शन, पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रमों को लेकर क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह है। नौ दिनों तक रामनगर का यह दुर्गा पंडाल श्रद्धा, भक्ति और उत्सव का प्रमुख केंद्र बना रहेगा।

खबर संक्षेप



अखिल भारतीय रजक महासंघ के संरक्षक बृजमोहन राम जी को उड़ीसा का राज्यपाल बनाए जाने पर हर्ष

बिरसिंहपुर पाली। एडवोकेट संतोष कुमार रजक शपथ आयुक्त व्यवहार न्यायालय बिरसिंहपुर पाली द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया गया कि अखिल भारतीय रजक महासंघ के संरक्षक एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बृजमोहन राम को उड़ीसा का राज्यपाल बनाए जाने पर रजक समाज द्वारा ढेर सारी बधाइयां एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए बताया कि हमारे रजक समाज के लिए बड़ा हर्ष और गौरव का विषय है ।प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि बहुत जल्द ही रजक समाज का एक प्रतिनिधिमंडल महामहिम राज्यपाल से मुलाकात कर बधाई संप्रेषित करेंगे।

मां वीरासन पाली कचनारी में नवरात्र मेला शुरू

सिलौंडी। सिलौंडी के समीपवर्ती मां वीरासन मंदिर में 10 दिवसीय नवरात्र मेला शुरू हो गया है।मां वीरासन देवी शक्ति का दिव्य रूप हैं और वीरता की प्रतीक मानी जाती हैं। इनका प्राचीन मंदिर मध्य प्रदेश के कटनी जिले के सिलौंडी से 7 किलोमीटर दूर ग्राम कचनारी पाली में स्थित है।मान्यता है कि मां अपने भक्तों की हर मनोकामना पूर्ण करती हैं। नवरात्रि के समय यहां विशेष पूजा और विशाल मेले का आयोजन होता है। यहां दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। वीरासन नाम का अर्थ है - वीरों के आसन पर विराजमान देवी।मंदिर में 9 दिन तक अखंड ज्योति जलती है, भक्त नारियल, चुनरी अर्पित करते हैं। बुंदेलखंड-महाकौशल क्षेत्र में मां का विशेष महत्व है।

सीईओ ने कहा लापरवाही पर तय होगी जवाबदेही

कटनी। जिले में स्वीकृत आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण कार्यों को प्रारंभ करते हुए तेजी लाने जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, तकनीकी अधिकारियों एवं संबंधित निर्माण एजेंसियों को सख्त निर्देश दिए हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर जागरूकता एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से विकसित भारत 2047 के संकल्प को मिलेगी नई दिशा

बिरसिंहपुर पाली, उमरिया।

शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं विकसित भारत 2047 की संकल्पना के अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य श्री हरलाल अहिरवार ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।डॉ. शाहिद ए. सिद्दीकी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के महत्व एवं शिक्षा के क्षेत्र में इसके उपयोग पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. त्रिभुवन गिरि ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की प्रमुख विशेषताओं तथा इसकी उपयोगिता के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी।कार्यक्रम प्रभारी डॉ. मनीषा अग्रवाल के मार्गदर्शन में वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं डिजिटल पोस्टर प्रतियोगिता सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों, नवाचार आधारित शिक्षा तथा विकसित भारत 2047 के निर्माण में विद्यार्थियों की भूमिका के संबंध में



महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।कार्यक्रम में डॉ. एन.पी. शुक्ला, श्री अंकुश सोनी, श्री बालेन्द्र यादव, डॉ. जे.पी.एस. चौहान, डॉ. मंसूर अली सहित महाविद्यालय के समस्त कर्मचारी एवं



विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नई शिक्षा नीति के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उनकी रचनात्मकता, तार्किक क्षमता एवं डिजिटल कौशल को प्रोत्साहित करना है।

तालाब का सौंदर्यीकरण कराए जाने की मांग

ब्यौहारी। जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत साखी के प्रसिद्ध माता तालाब जहां प्रतिदिन गांव के सैकड़ो लोग स्नान करते थे वह तालाब सूखा पड़ा काली माता के भक्ति बृजवासी तिवारी ने बताया कि है तालाब में जलकुंभी हो गई थी जिसको साफ करने के लिए ग्राम पंचायत द्वारा तालाब को फोडवा दिया गया लेकिन अब तालाब को फोडवाये हुए कई माह बीत गए लेकिन अभी तक ग्राम पंचायत द्वारा तालाब की सफाई,खोदाई नहीं कराई गई



नाही तालाब को भरा गया जिसके कारण से ग्रामवासी परेशान है तालाब परिसर में प्रसिद्ध माता



कालिका माता का मंदिर है जहां श्रद्धालु नहाने के बाद जल चढ़ाते थे वह भी बंद हो गया

ग्रामीणों ने कलेक्टर से शीघ्र तालाब का सौंदरीकरण कराए जाने की मांग की है।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई: फरार वारंटियों की धरपकड़, 7 स्थायी और 2 गिरफ्तारी वारंट सहित कुल 9 वारंट किए गए तामील

बुढ़ार। .पुलिस द्वारा अपराधों पर अंकुश लगाने और लंबे समय से फरार चल रहे वारंटियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया गया है। इस कार्रवाई के तहत पुलिस ने विभिन्न मामलों में फरार चल रहे आरोपियों को गिरफ्तार कर कुल 09 वारंट (07 स्थायी वारंट और 02 गिरफ्तारी वारंट) सफलतापूर्वक तामील किए हैं। गिरफ्तार किए गए/वारंट तामील हुए आरोपियों में,राजेंद्र सोनी (पिता स्व. महादेव, उम्र 45 वर्ष), निवासी- रीजनल कॉलोनी, थाना बुढ़ार (जिला शहडोल) - 13 जुआ एक्ट के तहत 6 साल से फरार वारंटी।,सुरेश चौधरी (पिता रोहदल चौधरी, उम्र 32 वर्ष), निवासी- हरी, थाना बुढ़ार - अप.क्र. 37/20, धारा 457, 380 भा.द.वि. का 6 साल से फरार वारंटी।,दशरथ कोल (पिता रामदास कोल, उम्र 25 वर्ष), निवासी- ढोलकुंआ, थाना बुढ़ार - अप.क्र. 585/22, धारा 354(क), 294, 323, 506 भा.द.वि. का वारंटी।,चुन्नी उर्फ



प्रकाश सौंधिया (पिता सुंदरलाल सौंधिया, उम्र 30 वर्ष), निवासी- पुरानी बस्ती, शहडोल (कोतवाली शहडोल) - चोरी के 02 प्रकरणों में 6 साल से फरार वारंटी।,मोबीन (पिता मो. कलाम, उम्र 42 वर्ष), निवासी- पुरानी बस्ती, थाना धनपुरी - 34(**A**) आबकारी एक्ट का वारंटी।,चमन सिंह (पिता स्व. भतर सिंह, उम्र 41 वर्ष), निवासी- वार्ड नं. 08, बुढ़ार, थाना बुढ़ार, जिला शहडोल - अप.क्र. 40/22, 34 आबकारी एक्ट का वारंटी। थाना प्रभारी खेम सिंह प्रेंद्रो की इस सख्त कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह के अभियान लगातार जारी रहेंगे।

बुढ़ार पुलिस की कार्रवाई: 9 वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेश

6 साल से फरार वारंटी भी पुलिस के हत्थे चढ़ा, स्थायी और गिरफ्तारी वारंटियों की धरपकड़ में जुटी पुलिस

बुढ़ार। थाना क्षेत्र के फरार वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे पुलिस अधीक्षक डॉ संजय कुमार जायसवाल के अभियान के तहत बुढ़ार थाना प्रभारी खेम सिंह प्रेंद्रो के निर्देशन में बुढ़ार पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुल 9 वारंटियों को गिरफ्तार किया है।

नगर निरीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में लंबे समय से फरार चल रहे वारंटी भी शामिल हैं। सभी के विरुद्ध संबंधित प्रकरणों में वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस द्वारा उपलब्ध कराई गई सूची के अनुसार, कार्रवाई में विभिन्न प्रकरणों के स्थायी वारंटी एवं गिरफ्तारी वारंटी शामिल हैं। इनमें कुछ वारंटी लगभग छह वर्षों से फरार बताए गए हैं। पुलिस ने वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया।

लंबे समय से फरार वारंटियों पर भी कार्रवाई

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, गिरफ्तार किए गए वारंटियों में बुढ़ार थाना क्षेत्र के निवासी तथा आसपास के क्षेत्रों से संबंधित व्यक्ति शामिल हैं। कुछ मामलों में भारतीय न्याय संहिता एवं अन्य संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज हैं, जबकि अन्य वारंट न्यायालयीन मामलों से संबंधित हैं।

पुलिस की कार्रवाई से वारंटियों में बढ़ी सतर्कता

बुढ़ार थाना पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई को फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के अभियान का हिस्सा बताया गया है। पुलिस का उद्देश्य लंबित वारंटों का निष्पादन कर न्यायालयीन प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है।

सांदीपनी स्कूल की बस से हुआ एक्सीडेंट

ब्यौहारी-।

थाना क्षेत्र के अंतर्गत मऊ सांदीपनि हायर सेकेंडरी स्कूल में लगी हुई बस द्वारा ग्राम बोकरा बोकरी के एक व्यक्ति को स्कूल जाते समय ठोकर मार दी थी जिससे वह गिरकर घायल हो गया था संबंधित व्यक्ति के द्वारा व्यवहारी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी रिपोर्ट पर थाना व्यवहारी में बस को खड़ा कर दिया गया है पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है वहीं सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पक्षीराज कंपनी द्वारा पुरानी, आउटडेटेड बसों को स्कूल में लगा दिया है उनकी हालत



कंडम है जिससे आए दिन खतरा बना रहता है इसके अलावा गाड़ी चलाने वाले ड्राइवर, कंडक्टरों का पुलिस वेरिफिकेशन भी नहीं है क्षेत्रवासियों ने कलेक्टर से बस संचालन करने वाली कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

बच्चों को स्कूल लेने के जाते समय ग्राम बोकरा में एक व्यक्ति की बस से ठोकर लगने से घायल हो गया था उसकी रिपोर्ट पर थाने में बस खड़ी कराई गई है ।

प्रेमलाल मिश्रा प्राचार्य
सांदीपनि हायर सेकेंडरी

अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस पर जागरूकता एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम संपन्न



उमरिया। अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के अवसर पर रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय में मेरा युवा भारत , राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं होमगार्ड के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को आपदा जोखिमों के प्रति जागरूक करना तथा आपदा के समय प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए प्रशिक्षित करना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्लाटून कमांडर राहुल कुमार साहू रहे। इस अवसर पर जिला नेहरू युवा केंद्र के अधिकारी उमाशंकर मिश्रा, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. अरविंद शाह बडक़रे, डॉ. ऋषिराज सिंह एवं डॉ. संध्या कुशवाहा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता राहुल कुमार साहू ने उमरिया जिले के आपदा जोखिम प्रोफाइल की विस्तृत जानकारी देते हुए आपदा प्रबंधन, अग्नि सुरक्षा तथा आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाए जाने वाले आवश्यक उपायों के बारे में बताया। उन्होंने अग्नि सुरक्षा एवं आपदा से निपटने में उपयोग होने वाले विभिन्न उपकरणों का जीवंत प्रदर्शन कर उनके उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने युवाओं से आपदा मित्र प्रशिक्षण से जुडऩे का आह्वान करते हुए कहा कि आपदा के समय प्रशिक्षित प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता के रूप में कार्य करना महत्वपूर्ण है। जागरूकता, प्रशिक्षण और त्वरित प्रतिक्रिया से आपदा के प्रभाव को कम करने तथा लोगों की जान बचाने में सहायता मिल सकती है। कार्यक्रम में मेरा युवा भारत एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों सहित लगभग 150 युवाओं एवं प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को आपदा जोखिम न्यूनीकरण, सुरक्षा उपायों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने के प्रति जागरूक किया गया।

मानपुर से 170 किमी की पैदल यात्रा पर निकले 35 भक्त

जुबां पर माता के जयकारे, हाथों में ध्वज

मैहर में करेंगे मां शारदा के दर्शन

मानपुर। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर मानपुर से आस्था और समर्पण का एक अनूठा और प्रेरणादायी नजारा देखने को मिल रहा है। मानपुर से लगभग 35 श्रद्धालुओं का एक जत्था ढोल-ढमाकों, भजन-कीर्तन और जय माता दी के गगनभेदी जयकारों के साथ त्रिकूट पर्वत पर विराजित मां शारदा के दरबार के लिए पैदल रवाना हुआ है।

सेवा और समर्पण का अद्भुत संगम

हाथों में पवित्र ध्वज थामे, अनुशासित ढंग से आगे बढ़ रहे इन भक्तों का जगह-जगह स्थानीय लोगों द्वारा भव्य स्वागत भी किया जा रहा है। यात्रा में शामिल प्रमुख श्रद्धालुओं में शिवकुमार गुप्ता (सतना वाले), प्रदीप द्विवेदी, अंकित गुप्ता, अमित सोनी, बृजेश सोनी सहित अन्य इष्ट-मित्र और ग्रामीण शामिल हैं। सभी भक्त मैहर पहुंचकर मां शारदा के चरणों में हाजिरी लगाएंगे और क्षेत्र व परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करेंगे। भक्ति, सेवा और अटूट आस्था के इस



अनूठे सफर ने पूरे मानपुर क्षेत्र के वातावरण को पूरी तरह से भक्तिमय बना दिया है।

तीन दिन का होगा कठिन सफर

मानपुर से मैहर की यह कुल दूरी करीब 170 किलोमीटर की है, जिसे ये सभी भक्त तीन दिनों में तय करेंगे। यात्रा के पहले दिन श्रद्धालुओं ने अमरपुर में रात्रि विश्राम किया। सुबह होते ही भोर की पहली किरण के साथ ही श्रद्धालुओं के कदम पुनः मैहर की ओर बढ़ चले। इस पदयात्रा में शामिल भक्तों के चेहरों पर थकान का नामोनिशान तक नहीं है, बल्कि मां के दर्शन की ललक और उत्साह साफ झलक रहा है।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित ग्राम गुरुवाही दौरे की तैयारियों का कमिश्नर एवं आईजी ने किया निरीक्षण

अधिकारियों को व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

उमरिया। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आज मानपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम गुरुवाही में प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता एवं आईजी सुश्री एन. चौत्रा ने किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर की जा रही तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।







प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत हितग्राहियों के खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से राशि का अंतरण करेंगे। इसके साथ ही वे विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। निरीक्षण के दौरान विधायक मानपुर सुश्री मीना सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष अनुजा पटेल, उपाध्यक्ष ओम नारायण सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष मानपुर ममता सिंह, आसुतोष अग्रवाल, कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभय सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, एसडीएम मानपुर सुश्री हरनीत कौर कलसी, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, पाली एसडीएम मीनांक्षी इंगले, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव, सुश्री प्रिया अग्रवाल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप



जनसुनवाई में 79 आवेदनों पर कलेक्टर ने की सुनवाई, अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश

अनूपपुर। कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में कलेक्टर रत्नाकर झा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आवेदकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में कुल 79 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवेदनों का गंभीरता से परीक्षण कर नियमानुसार त्वरित एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता से विचार किया जाए तथा पात्रता के आधार पर संबंधित हितग्राहियों को राहत दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों को भेजकर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

जनसुनवाई में नगर परिषद अमलाई निवासी नर्मदा प्रसाद त्रिपाठी ने अतिथि शिक्षक वर्ग-2, गणित विषय के पद पर अपनी सेवाएं निरंतर जारी रखने के संबंध में आवेदन दिया। वहीं, ग्राम दुलहरा निवासी कैलाश कोरी ने विद्युत बिल की राशि माफ करने की मांग रखी। कोतमा के वार्ड क्रमांक-11 निवासी अमृत लाल पटेल ने वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत कराने और राशन कार्ड में नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। इसी तरह ग्राम परसवार के कोयलारी टोला निवासी जगदीश चंद्र पटेल ने फसल क्षति के एवज में नियमानुसार मुआवजा राशि दिलाने की मांग की। जनसुनवाई में प्राप्त सभी आवेदनों को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे प्रकरणों का परीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई करें, ताकि आवेदकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व प्राशी अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे और उन्होंने भी आवेदकों की समस्याएं सुनीं।

निर्माण कार्यों में देरी बर्दाश्त नहीं, समय-सीमा में पूरे हों सभी प्रोजेक्ट



अनूपपुर। जिले में विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब रोकने और स्वीकृत परियोजनाओं को तय समय-सीमा में पूरा करने के लिए कलेक्टर रत्नाकर झा ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। अधिकारी कार्यों की नियमित निगरानी करें और निर्माण की गुणवत्ता के निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित कराएं, ताकि आम नागरिकों को विकास कार्यों का लाभ समय पर मिल सके। कलेक्टर झा ने मंगलवार को निर्माण विभागों की समीक्षा बैठक लेकर जिले में चल रहे निर्माण कार्यों, स्वीकृत एवं प्रगतिरत परियोजनाओं तथा निर्धारित समय-सीमा के अनुसार कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जल संसाधन विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सहित अन्य संबंधित विभागों के कार्यों की स्थिति की जानकारी ली गई। बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों से निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति, कार्य प्रारंभ होने की प्रगति, लंबित परियोजनाओं और कार्यों में आ रही बाधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए। जिन परियोजनाओं में विभिन्न कारणों से विलंब हो रहा है, उनकी बाधाओं की पहचान कर संबंधित अधिकारी समय रहते निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि स्वीकृत परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप पूरा किया जाए। विभागीय समन्वय की कमी या अनावश्यक प्रक्रियाओं के कारण निर्माण कार्य प्रभावित नहीं होने चाहिए। अधिकारियों को लंबित कार्यों की नियमित समीक्षा कर उनकी प्रगति में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर जोर देते हुए कलेक्टर ने कहा कि निर्धारित मापदंडों के अनुरूप ही निर्माण कराया जाए। निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के साथ कार्यस्थलों का नियमित निरीक्षण किया जाए।

लाखों की लागत से बनीं ध्यान कुटियां धराशायी, सरकारी पर्यटन योजना चढ़ी बदहाली की भेंट

शंभूधारा के आरक्षित वन क्षेत्र में विकसित की गई थीं ध्यान कुटियां

बारिश और रखरखाव के अभाव में ढह गईं संरचनाएं, जिम्मेदार विभाग ने नहीं ली सुध

खर्च हुई राशि, रखरखाव और विभागीय निरीक्षण पर उठे सवाल





अमरकंटक। प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक आस्था और आध्यात्मिक साधना के लिए देशभर में पहचान रखने वाले अमरकंटक में पर्यटन सुविधाओं के संरक्षण की तस्वीर चिंताजनक नजर आ रही है। शंभूधारा स्थित आरक्षित वन क्षेत्र में पर्यटकों और साधकों को प्रकृति के बीच शांत वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लाखों रुपये की लागत से विकसित की गईं ध्यान कुटियां अब धराशायी हो चुकी हैं। जलाशय के किनारे प्राकृतिक संसाधनों से बनाई गई इन संरचनाओं की दुर्दशा ने सरकारी पर्यटन योजनाओं के रखरखाव और संरक्षण की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस परियोजना के माध्यम से प्राकृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने और पर्यटकों को योग-ध्यान के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने की परिकल्पना की गई थी, वही आज उपेक्षा की तस्वीर बनकर रह गई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि निर्माण के बाद इन कुटियों को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी किसकी थी और समय रहते मरम्मत क्यों नहीं कराई गई?

2022 में घोषित हुई थी परियोजना, प्राकृतिक सामग्री से हुआ था निर्माण

जानकारी के अनुसार, मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 21 जनवरी 2022 को इस परियोजना की घोषणा की थी। मध्यप्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड के माध्यम से शंभूधारा के आरक्षित वन क्षेत्र में ध्यान कुटियों का निर्माण कराया गया था। इनके निर्माण में मिट्टी, पत्थर, बांस, लकड़ी और मोवा घास जैसी प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग किया गया, ताकि जंगल के प्राकृतिक स्वरूप से छेड़छाड़ किए बिना पर्यटकों को एकांत और शांत वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। परियोजना के पीछे सोच यह थी कि अमरकंटक आने वाले पर्यटक केवल धार्मिक स्थलों के दर्शन तक सीमित न रहें, बल्कि प्राकृतिक वातावरण में कुछ समय बिताने, योग-ध्यान करने और मानसिक शांति प्राप्त करने के लिए भी इस सुविधा का उपयोग कर सकें। शंभूधारा का प्राकृतिक परिवेश इस उद्देश्य के लिए अनुकूल माना गया था। लेकिन वर्तमान स्थिति में इन कुटियों का उपयोग ही सवालों के घेरे में है। प्राकृतिक संसाधनों से निर्मित संरचनाओं को मौसम के प्रभाव से बचाने के लिए नियमित निरीक्षण, समय पर मरम्मत और उचित संरक्षण की आवश्यकता थी। इन व्यवस्थाओं के अभाव में कुटियां जर्जर होती गईं और अब धराशायी हो चुकी हैं।

बारिश का बहाना या रखरखाव की व्यवस्था में कमी?

बारिश और मौसम का असर प्राकृतिक सामग्री से निर्मित संरचनाओं पर पड़ना स्वाभाविक है, लेकिन ऐसी परिस्थितियों में नियमित रखरखाव का महत्व और बढ़ जाता है। यदि समय रहते कुटियों की मरम्मत, छतों की सुरक्षा और कमजोर हिस्सों को दुरुस्त करने की व्यवस्था की जाती, तो नुकसान को कम किया जा सकता था या नहीं, इसकी जांच आवश्यक है। अब जब संरचनाएं धराशायी हो चुकी हैं, तब केवल मौसम को जिम्मेदार ठहराकर मामले को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इन कुटियों की देखरेख की जिम्मेदारी वन विभाग, अमरकंटक की बताई जाती है। ऐसे में विभागीय स्तर पर यह स्पष्ट होना चाहिए कि निर्माण के बाद इनके संरक्षण के लिए क्या व्यवस्था बनाई गई थी। क्या नियमित निरीक्षण किया जाता था? क्या बारिश के मौसम से पहले संरचनाओं की स्थिति का आकलन किया गया? क्या मरम्मत के लिए कोई प्रस्ताव तैयार हुआ था? यदि संरचनाएं पहले से जर्जर हो रही थीं, तो उन्हें सुरक्षित रखने के लिए समय रहते कदम क्यों नहीं उठाए गए? इन सवालों का जवाब संबंधित विभाग की समीक्षा और आधिकारिक जानकारी से ही सामने आ सकता है।

पहले भी प्रकाशित हो चुकी खबर, फिर भी नहीं बदली स्थिति

ध्यान कुटियों की बदहाली का मामला पहले भी समाचार के माध्यम से सामने लाया जा चुका है। इसके बावजूद अब तक सुधार और संरक्षण की दिशा में प्रभावी पहल दिखाई नहीं देने से विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। समाचारों के माध्यम से सार्वजनिक महत्व के मुद्दे सामने आने के बाद संबंधित अधिकारियों से अपेक्षा रहती है कि वे स्थल की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण करें और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। लेकिन यदि किसी पर्यटन परियोजना की दुर्दशा लंबे समय तक बनी रहती है, तो यह जानना जरूरी हो जाता है कि समस्या की जानकारी मिलने के बाद भी सुधार की प्रक्रिया आगे क्यों नहीं बढ़ी। यह मामला केवल कुछ कुटियों के गिरने तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकारी धन से विकसित पर्यटन सुविधाओं की उपयोगिता और उनके दीर्घकालीन संरक्षण से भी जुड़ा है। निर्माण पर कितनी राशि खर्च की गई, रखरखाव के लिए कितना बजट उपलब्ध कराया गया, अब तक कितनी राशि खर्च हुई और क्षतिग्रस्त संरचनाओं की मरम्मत के लिए क्या प्रयास किए गए इन सभी बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए। इससे न केवल परियोजना की वास्तविक स्थिति सामने आएगी, बल्कि भविष्य में ऐसी सुविधाओं के संरक्षण की जिम्मेदारी भी तय करने में मदद मिलेगी।

निर्माण के बाद नहीं होती जिम्मेदारी खत्म

अमरकंटक धार्मिक पर्यटन के साथ प्राकृतिक और आध्यात्मिक पर्यटन की भी महत्वपूर्ण संभावनाएं रखता है। यहां आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी पहले से विकसित सुविधाओं को सुरक्षित और उपयोगी बनाए रखना भी है। किसी परियोजना का निर्माण कर देना ही उसकी सफलता का प्रमाण नहीं हो सकता। उसकी वास्तविक उपयोगिता इस बात से तय होती है कि वह कितने समय तक सुरक्षित रहती है और आम लोगों को उसका कितना लाभ मिलता है। शंभूधारा की ध्यान कुटियों की वर्तमान स्थिति इसी सवाल को सामने लाती है। यदि समय पर निरीक्षण और मरम्मत की व्यवस्था नहीं हुई, तो संबंधित विभाग को इसकी समीक्षा करनी चाहिए। वहीं, यदि संरचनाओं के पुनर्निर्माण की आवश्यकता है, तो तकनीकी आकलन के आधार पर स्पष्ट कार्ययोजना बनाई जानी चाहिए। इसके साथ ही यह भी तय होना चाहिए कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए नियमित निरीक्षण और रखरखाव की जिम्मेदारी किस अधिकारी या इकाई की होगी।

अब निरीक्षण, खर्च का हिसाब और पुनरुद्धार की जरूरत

ध्यान कुटियों की बदहाली को देखते हुए संबंधित विभाग को तत्काल स्थल का निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त संरचनाओं की स्थिति का आकलन करना चाहिए। निर्माण लागत, रखरखाव की व्यवस्था और अब तक किए गए व्यय की जानकारी सार्वजनिक करने के साथ मरम्मत अथवा पुनर्निर्माण की व्यवहारिक योजना तैयार की जानी चाहिए। यदि संरचनाओं को दोबारा उपयोगी बनाना संभव है, तो इसके लिए समयबद्ध कार्रवाई की जानी चाहिए और यदि नए सिरे से निर्माण आवश्यक है, तो उसकी तकनीकी तथा वित्तीय समीक्षा होनी चाहिए। सरकारी धन से विकसित पर्यटन सुविधाओं का संरक्षण केवल विभागीय औपचारिकता नहीं, बल्कि सार्वजनिक संसाधनों के उचित उपयोग से जुड़ा विषय है। शंभूधारा की ध्यान कुटियों की बदहाली के मामले में अब जरूरी है कि जिम्मेदार विभाग स्थिति स्पष्ट करे और सुधार के लिए ठोस पहल सामने लाए। सवाल यही है कि प्राकृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाई गई यह योजना आखिर कब दोबारा उपयोगी बनेगी और इसके लिए जिम्मेदारी कौन तय करेगा?



कोल इंडिया में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिलाना प्राथमिकता-गुलाब सिंह कोल

बदरा/जमुना। कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिलाना संगठन की प्राथमिकता है। इसके लिए प्रबंधन और सरकार के समक्ष आरक्षण, पदोन्नति और कर्मचारियों के अधिकारों से जुड़े मुद्दे उठाए जाएंगे। यह बात कोल इंडिया ओबीसी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुलाब सिंह कोल ने एसईसीएल के जमुना-कोतमा क्षेत्र के दौरे के दौरान कही। गुलाब सिंह कोल के साथ संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री जय बहादुर सिंह, एसईसीएल ओबीसी संगठन प्रभारी ताराचंद यादव और सिंगरौली के राम मनोहर यादव भी मौजूद रहे। पदाधिकारियों ने विभिन्न खदानों का निरीक्षण किया और वीआईपी गेस्ट हाउस में पत्रकारों से चर्चा की। गुलाब सिंह कोल ने कहा कि भारत सरकार के निर्देश पर कोल इंडिया में ओबीसी संगठन का गठन पिछड़े वर्ग के कर्मचारियों की समस्याओं और अधिकारों को उचित मंच पर उठाने के लिए किया गया है। उन्होंने दावा किया कि एनसीएल में 25 प्रतिशत आरक्षण लागू है, जबकि निर्धारित 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिलाने के प्रयास जारी हैं। पदोन्नति में आरक्षण का मुद्दा भी संसद में उठाया गया है। उन्होंने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सरकारों से संगठन की मांगों पर ध्यान देने की अपील की। राष्ट्रीय महामंत्री जय बहादुर सिंह ने कहा कि आरक्षण के प्रावधानों का लाभ पात्र कर्मचारियों तक पहुंचाने के साथ पदोन्नति, रोजगार और कार्यस्थल पर समान अधिकारों के मुद्दे भी प्रमुखता से उठाए जाएंगे। एसईसीएल ओबीसी संगठन प्रभारी ताराचंद यादव ने बताया कि जमुना-कोतमा क्षेत्र का दौरा स्थानीय कर्मचारियों की समस्याओं और अपेक्षाओं को समझने के उद्देश्य से किया गया है। संगठन क्षेत्रीय स्तर पर संवाद कर समस्याओं को प्रबंधन तक पहुंचाएगा। वहीं, राम मनोहर यादव ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने और ओबीसी समाज को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया। गुलाब सिंह कोल ने कहा कि कोयला उत्पादन बढ़ाने और कर्मचारियों के कल्याण के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों पर भी ध्यान देना जरूरी है। संगठन की मांग है कि सीएसआर राशि का उपयोग खदानों के आसपास 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों के विकास के लिए किया जाए। दौरे के दौरान आरक्षण, पदोन्नति, कर्मचारी कल्याण और स्थानीय विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई।

27 दिन तक मौत से जूझती रही 12 वर्षीय भारती, करैत के डसने से तोड़ा दम

अनूपपुर में सर्पदंश से इस वर्ष 25 मौतें, 530 से अधिक पीड़ित का उपचार

सर्प प्रहरियों ने एक हजार से अधिक सांपों का किया रेस्क्यू



अनूपपुर। करैत जैसे अत्यंत जहरीले सांप के डसने से गंभीर रूप से पीड़ित 12 वर्षीय बालिका भारती कोल ने 27 दिनों तक जीवन और मौत के बीच संघर्ष करने के बाद सोमवार सुबह जिला चिकित्सालय अनूपपुर में दम तोड़ दिया। बालिका को 14 सितंबर की रात अनूपपुर नगर के वार्ड क्रमांक 11, उजीर बगीचा में अपने रिश्तेदार के घर जमीन पर सोते समय सांप ने डस लिया था। उसे तत्काल उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां शिशु रोग विशेषज्ञों की निगरानी में लगातार उपचार किया जा रहा था। लंबी कोशिशों के बावजूद बालिका की जान नहीं बचाई जा सकी। बालिका भारती कोल, पिता चरकू कोल, शहडोल जिले के खैरहा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खन्नाद की निवासी थी। घटना के दौरान पलंग पर सो रहे उसके 20 वर्षीय जीजा को भी सांप ने डस लिया था। इस घटना ने एक बार फिर बरसात के मौसम में सर्पदंश के बढ़ते खतरे और समय पर प्रभावी उपचार की आवश्यकता को सामने ला दिया है। जिले में वर्षाकाल के दौरान सांपों के घरों और आबादी वाले क्षेत्रों में निकलने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, जनवरी से अब तक जिले के 25 से अधिक सर्प प्रहरियों ने एक हजार से अधिक जहरीले और सामान्य प्रजाति के सांपों का सुरक्षित रेस्क्यू कर उन्हें प्राकृतिक वातावरण में स्वतंत्र विचरण के लिए जंगलों में छोड़ा है। इनमें 15 से अधिक घायल सांपों का उपचार कराने के बाद उन्हें भी जंगल में छोड़ा गया। दूसरी ओर, जिले के विभिन्न शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों और जिला चिकित्सालय में सर्पदंश से पीड़ित 530 से अधिक लोगों का उपचार किया जा चुका है। गंभीर मरीजों को आवश्यकतानुसार मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर किया गया, जहां उपचार के बाद कई मरीज स्वस्थ होकर घर लौटे। इसके बावजूद इस वर्ष अब तक सर्पदंश से 25 लोगों की मौत होने की जानकारी सामने आई है।सांपों से लोगों की सुरक्षा और सांपों को अनावश्यक रूप से मारे जाने से बचाने के उद्देश्य से जिले में सर्प प्रहरी स्वैच्छिक रूप से काम कर रहे हैं। अनूपपुर मुख्यालय क्षेत्र में पांच, जैतहरी में चार, कोतमा में सात और पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में सात सर्प प्रहरी सक्रिय बताए गए हैं। ये घरों, सार्वजनिक स्थलों और अन्य स्थानों पर सांप निकलने की सूचना मिलने पर रेस्क्यू करते हैं।

इसके साथ ही शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों, ग्राम पंचायतों और सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता शिविर आयोजित कर लोगों को सांपों की प्रजातियों, उनके व्यवहार और सर्पदंश से बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है। वर्षा के दौरान सांप भोजन की तलाश, प्रजनन, अंडे देने तथा बिलों में पानी भर जाने जैसे कारणों से अपने प्राकृतिक ठिकानों से बाहर निकलते हैं। इस दौरान वे घरों, खेतों और सामान रखने के स्थानों तक पहुंच जाते हैं। अनजाने में सांप पर हाथ या पैर पड़ने अथवा उसे छेड़ने पर वह बचाव में डस सकता है। सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक या घरेलू उपचार में समय गंवाना जानलेवा हो सकता है। ऐसे में पीड़ित को बिना देरी नजदीकी अस्पताल पहुंचाना जरूरी है। सांप के काटने पर घाव को काटना, जहर चूसने की कोशिश करना या कसकर पट्टी बांधना नहीं चाहिए। पीड़ित को शांत रखें, अनावश्यक चलने न दें और तत्काल चिकित्सकीय सहायता लें। सर्प प्रहरियों द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान का उद्देश्य सर्पदंश से होने वाली मौतों को कम करना और लोगों में वैज्ञानिक उपचार के प्रति विश्वास बढ़ाना है। भारती की मौत ने एक बार फिर याद दिलाया है कि सांप के डसने के बाद हर पल महत्वपूर्ण होता है और समय पर चिकित्सा सहायता जीवन बचाने में निर्णायक भूमिका निभा सकती है।

बीएचईएल की पहल, केल्हौरी में 150 गर्भवती एवं धात्री माताओं को बांटी पोषण किट

सीएसआर के तहत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य जागरूकता अभियान आयोजित

अनूपपुर।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल), पावर सेक्टर उत्तरी क्षेत्र (पीएसएनआर), अमरकंटक ताप विद्युत परियोजना चचाई की ओर से कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत ग्राम पंचायत केल्हौरी में मातृ स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। सामाजिक संस्था हार्ड (हार्ड), अनूपपुर के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में 150 गर्भवती एवं धात्री माताओं को पोषण किट वितरित की गईं। कार्यक्रम में बीएचईएल के अपर महाप्रबंधक एवं निर्माण प्रबंधक विजय कुमार, अपर महाप्रबंधक एवं मानव संसाधन प्रमुख समीर नाग, मानव संसाधन प्रबंधक सुशील कुमार तथा अमरकंटक परियोजना के प्रबंधक अमरनाथ उपस्थित रहे। वहीं, मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (एमपीपीजीसीएल) की ओर से अतिरिक्त मुख्य अभियंता (निर्माण) राजीव गुप्ता और अतिरिक्त मुख्य अभियंता (उत्पादन) विजय देव ने सहभागिता की। हार्ड संस्था के सचिव सुशील कुमार शर्मा, संचालक भूपेन त्रिपाठी तथा ग्राम पंचायत केल्हौरी के सरपंच रामपाल



सिंह सहित अन्य गणमान्य नागरिक भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं सम्मान तथा पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस दौरान बीएचईएल और एमपीपीजीसीएल के अधिकारियों ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, संतुलित आहार और गर्भावस्था के दौरान उचित पोषण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना सामाजिक कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके बाद अतिथियों ने श्रीमती अनीता, सुनीता, मनीषा, रेखा, अंकिता एवं बेबी चौधरी सहित कुल 150 लाभार्थी महिलाओं को पोषण किट प्रदान कीं। इस पहल का उद्देश्य गर्भवती एवं धात्री माताओं को पोषण के प्रति जागरूक करने के साथ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के समापन पर ग्रामीणों और लाभार्थी महिलाओं ने इस जनकल्याणकारी पहल की सराहना करते हुए बीएचईएल, एमपीपीजीसीएल एवं हार्ड संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया। बीएचईएल की यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ मातृत्व एवं सुपोषित शिशुओं के लक्ष्य को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।